खबर संक्षेप

चार दिवसी हनुमान शंकर प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम शुरू

नारायणगंज। बस स्टैंड नारायणगंज परिसर में पीपल वृक्ष के नीचे हनुमान मंदिर में शंकर एवं हनुमान जी की मूर्ति की स्थापना की जा रही है जो की 8 फरवरी से 11 फरवरी तक प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम किया जा रहा है जिसमें आसपास के श्रद्धालु जन मंदिर देखने के लिए आ रहे हैं 9 फरवरी को भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया है जिसमें आसपास क्षेत्र के लोग इस कलश यात्रा में शामिल होंगे 11 फरवरी को भव्य विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है जिसमें सभी को पहुंचने के लिए अपील की गई है।

हेलमेट, साइबर अपराध व नशा मुक्ति पर जानकारी देने चौपाल आयोजित

मण्डला। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार एवं पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न थाना एवं चौकी क्षेत्रों में माइक्रो बीट पुलिस चौपाल आयोजित कर ग्रामीण नागरिकों को हेलमेट की अनिवार्यता, यातायात नियमों के पालन, नशा मुक्ति, साइबर अपराध से बचाव तथा महिलाओं एवं बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों की रोकथाम के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

फोंक सिझौरा में जुए का भंडाफोड़, 07 आरोपी पकड़े, 4 आरोपी फरार तलाश जारी

जुआं फड़ पर छापा, 19 लाख से अधिक की जप्ती

*** 8 मोबाईल और 4 कार जप्त।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

पुलिस अधीक्षक मंडला रजत सकलेचा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंडला शिव कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में, अवैध जुए के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत आज दिनांक 08/02/2026 की मध्य रात्रि में मंडला पुलिस की गठित विशेष टीम द्वारा एक बड़ी कार्यवाही की गई।

पुलिस को विश्वसनीय सूत्र से सूचना प्राप्त हुई थी कि ग्राम फोंक सिझौरा में कुछ लोग अवैध रूप से पैसा लगाकर खेल रहे हैं। सूचना की तस्दीक उपरांत उप पुलिस अधीक्षक सतीष चतुर्वेदी (महिला सुरक्षा मंडला), (प्रभारी एसडीओपी बिछिया) के नेतृत्व में 04 अलग-अलग पुलिस पार्टियां गठित की गईं।

योजनाबद्ध तरीके से की गई रेड कार्यवाही के दौरान फोंक सिझौरा स्थित उमेश राय उर्फ मुनिया के घर से जुआ खेलते हुए 07 आरोपियों को घेराबंदी कर पकड़ागया जिनमें वैभव मिश्रा(निवासी बिछिया), संजय चौकसे(निवासी बरगी), आनंद बंदेवार(निवासी बम्हनी), राजेश खमपरिया(निवासी बरगी), फरीद अली(निवासी परवाडा), सचिन उद्दे(निवासी बम्हनी बंजर), राजकुमार उर्फ राजा(निवासी अंजनिया) शामिल हैं। जांच एवं आरोपियों के कहे गये कथन के आधार पर यह भी सामने आया कि अतुल कटारे (निवासी बिछिया), महेश बंजारा (निवासी बम्हनी) जुआ खिलाने व नाल काटने वाले अलाल कसार (निवासी बिछिया) एवं उमेश राय उर्फ मुनिया (निवासी फोंक सिझौरा) अंधेरे का फायदा उठाकर घटना स्थल से फरार हो गए। जिनकी तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है।

4 कारों को किया जप्त

जुआं फड़ पर की गई छापामार कार्यवाही में नगद राशि के रूप में 3,21,200/- रूपये साथ ही 08 मोबाइल फोन एवं 04 चार पहिया वाहन भी जप्त किये गये इन वाहनो में MP20 ZX 7828, MP20 MC 1642, MP20 CL 5533, ये वाहन शामिल हैं। कुल जो सामग्री जप्त की गई है जिसमें नगद राशि, वाहन व मोबाइल शामिल हैं उनका अनुमानित मूल्य सहित कुल राशि लगभग 19,01,200/- है।

उक्त प्रकरण में गिरफ्तार सभी आरोपियों के विरुद्ध धारा 13 जुआ एक्ट एवं धारा 49 बीएनएस के अंतर्गत विधिसम्मत कार्यवाही की गई है। छापामार टीम में जिन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई उनमें सतीष चतुर्वेदी, डीएसपी (महिला अपराध शाखा) मंडला, निरीक्षक रंजीत सिंह सैयाम (थाना प्रभारी बिछिया), निरीक्षक ममता परस्ते, निरीक्षक गिरीष करवेती, निरीक्षक जयसिंह यादव, सउनि. बालमुकुन्द चौरसिया, सउनि. सुरेश विजयवार, सउनि. भूमेश्वर, सउनि. जगदीश सैयाम, प्र.आर. महेन्द्र कुशराम, प्र.आर. भभूत, आर. अमृत मरावी, आर. वैभव, आर.मनीष, आर.संदीप, आर. दिनेश वरकडे, आर.हेमेन्द्र, आर.सुरेश पंचेश्वर, आर.चन्द्रभान, आर.काशी, आर. संजय, आर. सुधीर, आर. राजेश, आर. सुन्दर, आर. रमेश एवं आर. शिवा नाविक प्रमुख रहे।

मंडला मिलेट फूड फेस्टिवल का आयोजन 13 एवं 14 फरवरी को

*** 50 से अधिक स्टॉल पर उपलब्ध रहेंगे मिलेट्स के स्वादिष्ट व्यंजन।**

मोटे अनाज (श्री अन्न) के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन मंडला एवं किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा आगामी 13 एवं 14 फरवरी को दो दिवसीय मिलेट फूड फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन पुलिस ग्राउंड में प्रतिदिन शाम 4 बजे से प्रारंभ होगा। जानकारी के अनुसार फूड फेस्टिवल में मिलेट्स (कोदो, कुटकी, रागी आदि) से बने स्वादिष्ट और पौष्टिक व्यंजनों के 50 से अधिक स्टॉल लगाए जाएंगे। इन स्टॉल्स का संचालन मुख्य रूप से स्थानीय नागरिकों एवं स्व-सहायता समूहों द्वारा किया जाएगा, जहाँ उनके द्वारा निर्मित शुद्ध और पारंपरिक उत्पाद विक्रय के लिए उपलब्ध रहेंगे। व्यंजन प्रेमियों के लिए मिलेट शेफ कुकिंग प्रतियोगिता का विशेष आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। नागरिकों के मनोरंजन के विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं संगीत का कार्यक्रम भी रखा गया है। जिला प्रशासन ने मंडला के समस्त नगरवासियों से इस फूड फेस्टिवल में अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होने की अपील की है।

नर्मदा नदी के कछार क्षेत्र से लगभग एक लाख रूपए का अवैध शराब जप्त

मण्डला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशन में एवं जिला आबकारी अधिकारी रामजी पांडेय के मार्गदर्शन में मंडला शहर के समीप स्थित ग्राम खड़देवरी के किनारे नर्मदा नदी के कछार क्षेत्र में दबिश की कार्रवाई की गई। जिसमें मदिरा का निर्माण अवैध रुप से करने वाले अड्डों पर लगभग 95 डब्बे महुआ लाहन के मिले। नदी के पास रेत में डिब्बे दबाकर रखे हुए पाए गए थे। प्रत्येक डिब्बा में लगभग 10 किलो महुआ लाहन भरा था, इस प्रकार कुल 950 किलो महुआ लाहन बरामद किया गया।

फाइटर स्पोर्ट्स क्लब ने किया सेमीफाइनल और बी.एस.सी. गोरखपुर ने किया क्वार्टर फाइनल में प्रवेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

फाइटर स्पोर्ट्स क्लब के तत्वाधान में आयोजित फाइटर कप सीजन 2 का आज का मुकाबला फाइटर स्पोर्ट्स क्लब एवं सनराइज स्पोर्ट्स के बीच खेला गया। जिसमें टॉस जीतकर सनराइज स्पोर्ट्स ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइज स्पोर्ट्स ने निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट खोकर 166 रन बनाए। सनराइज स्पोर्ट्स क्लब की ओर से बल्लेबाजी में शिवांक यादव ने 51 रन अरुण नीखर ने 37 रन अनवर अली ने 30 रन प्रहलाद ने नाबाद 23 रन और राजा विश्वकर्मा ने 10 रनों की पारी खेली। फाइटर स्पोर्ट्स क्लब की ओर से गेंदबाजी में राहुल देव और योगेंद्र ने 2-2 विकेट और सचिन मरकाम ने 1 सफलता अर्जित की। 167 रनो के लक्ष्य का पीछा करने उतरी फाइटर स्पोर्ट्स क्लब की शुरूआत काफी अच्छी रही योगेन्द्र की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से 8 विकेटों से जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। फाइटर स्पोर्ट्स क्लब की ओर से बल्लेबाजी में योगेन्द्र ने नाबाद 107 रन साहिल बरमैया ने 29 रन युवराज यादव ने 18 रनो का योगदान दिया। इस प्रकार फाइटर स्पोर्ट्स क्लब ने इस मुकाबले को 8 विकेटों से जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस मुकाबले के मैन ऑफ द मैच फाइटर स्पोर्ट्स क्लब के योगेंद्र रहे। इस मुकाबले में निर्णायक सत्यम बर्मन और ऋषि रघुवंशी रहे। शनिवार के दिन दूसरा मुकाबला मल्टी स्टार मवई और बी.एस.सी. गोरखपुर के बीच खेला गया। जिसमें टॉस जीतकर मल्टी स्टार मवई ने पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया और पहले गोरखपुर को बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए गोरखपुर ने निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 155 रन बनाए। जिसमें गोरखपुर की ओर से बल्लेबाजी में दिनेश साहू ने 38 रन ललित मरावी ने 33 रन अभिषेक श्रीवास्तव ने नाबाद 19 रन सतीश यादव ने 13 रन और अप्पू राव ने 12 रनों का योगदान दिया। मल्टी स्टार मवई की ओर से गेंदबाजी में आयुष पटेल ने 3 विकेट संजय ने 2 विकेट शंकर अशोक और अनुराग ने 1-1 सफलता अर्जित की। 156 रनो का पीछा करते हुए मल्टी स्टार मवई ने निर्धारित 20 ओवरों में धीमी बल्लेबाजी के कारण 7 विकेट खोकर 135 रन ही बना सकी और मल्टी स्टार मवई को इस मैच को 20 रनों से गंवाना पड़ा। मल्टी स्टार मवई की ओर से बल्लेबाजी में पवन उइके ने 31 रन सचिन ने 27 रन मानस चौरसिया ने 24 रन एल.आर. कोकड़ियि और अनुराग पटेल ने 11-11 रनों का योगदान अपनी टीम को दिया। गोरखपुर की ओर से गेंदबाजी में जागेश्वर मिश्रा ने 5 विकेट ललित मरावी एवं अभिषेक मरावी ने 1-1 सफलता अर्जित की। इस प्रकार इस मुकाबले को गोरखपुर ने 20 रनों से जीतकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इस मुकाबले के मैन ऑफ द मैच जोगेश्वर मिश्रा रहे। इस मुकाबले में निर्णायक की भूमिका सत्यम बर्मन और ऋषि रघुवंशी ने निभाई। रविवार को टूर्नामेंट का तीसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला फाइन स्पोर्ट्स क्लब मंडला एवं कुंभ स्टार मंडला के बीच दोपहर 12:30 बजे से खेला जाएगा।

खंड नारायणगंज माँ रेवा सम्मेलन का भव्य आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

विकासखंड अंतर्गत मंडल शाहा के ग्राम बानोची एवं मंडल चौकी के ग्राम सलैया में माँ रेवा सम्मेलन का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता पूजन एवं नौ कन्या पूजन के साथ किया गया। पूजन उपरांत साधु महाराज खेतू लाल जी, विभाग से पधारे मुख्य वक्ता शरद पांडे जी, ग्राम के समाजसेवी भुवन जी, नकुल जी एवं रमेश जी का आत्मीय स्वागत किया गया। इसके बाद कार्यक्रम विधिवत प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम में स्थानीय प्रतिभागियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिसने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। इसके पश्चात ग्राम सलैया में मुख्य वक्ता शरद पांडे जी व ग्राम बनोची में सूरज गौठरिया जी,ने अपने प्रेरणादायक वक्तव्य में माँ नर्मदा, भारतीय संस्कृति एवं सामाजिक एकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का समापन भारत माता की आरती एवं सामूहिक सामाजिक भोजन के साथ किया गया। इस अवसर पर अमित यादव जी, लक्ष्मण सिंगरौरे जी, ध्यान सिंह कुलस्ते जी, जय सिंह उइके जी, जागेश्वर जी, बद्री प्रसाद जी, निशांत अग्रवाल जी सहित अनेक गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्साह एवं सकारात्मक वातावरण देखने को मिला।

सड़क सुरक्षाः हेलमेट विक्रेताओं और पेट्रोल पम्प संचालकों को समझाइश

मण्डला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश अनुसार जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन और पुलिस द्वारा कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। जिला प्रशासन के आदेश के बाद जिले के सभी पेट्रोल पंपों पर ऑर्डर की प्रति चस्पा कर दी गई है। इसके साथ ही पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया जा रहा है। बिना हेलमेट पहने हुए दोपहिया वाहन चालकों को पेट्रोल नहीं देने की चेतावनी दी जा रही है।

गौ कथा | **गौ तस्करी पर लगाम लगाने ली गई शपथ।**

मंडला में पहली बार गौ कथा का भव्य आयोजन

*** महिष्मती घाट में हुआ नौ-दिवसीय आयोजन।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मध्यप्रदेश के जिला मुख्यालय मंडला में माहिष्मती गौ सेवा रक्तदान संगठन के द्वारा- मंडला में पहली बार गौ कथा आयोजन किया गया है- और गौ कथा का वाचन आचार्य पं. संतोष शास्त्री जी के मुखारविंद से किया गया - यह गौ कथा का आयोजन दिनांक-30 जनवरी से मंडला के सुप्रसिद्ध नर्मदा तट महिष्मती घाट पर आयोजित हुआ है- और ये आयोजन हिंदू धर्म में गाय को 'गौ- माता' के रूप में स्थापित करने और उसके प्रति आध्यात्मिक व धार्मिक जागृति लाने के उद्देश्य से किया गया है- बता दें की- कथा शुभारंभ होने के पूर्व- माहिष्मती गौ सेवा रक्तदान संगठन के प्रदेश अध्यक्ष गौ पुत्र दिलीप चन्द्रौल ने बताया की- आचार्य पं संतोष शास्त्री जी के द्वारा गौ माता की महिमा के बारे में गौ कथा के माध्यम से विस्तार से जानकारी दी गई- श्री चंद्रोल ने- जिला मुख्यालय मंडला सहित जिला भर के- सभी गौ प्रेमियों और धर्म प्रेमियों से अपील किया है कि- आप सभी गौ माता के प्रति अच्छी श्रद्धा रखें गाय माता को बड़े भाव से प्रसादी जीवनी एवं उनका मान सम्मान आधार हमेशा करती रहे गाय माता है तो देश सुरक्षित है गौ माता हमारी संस्कृति का आधार है गौ कथा- गौ माता की महत्व- संरक्षण और गौ सेवा के प्रति लोगों को जागरूक करे- इसके साथ ही- यह कथा गौ माता की महिमा- पंचगव्य के औषधीय लाभ और गोवंश की सुरक्षा के प्रति समर्पण का संदेश दिया गया- गौ पुत्र दिलीप चन्द्रौल ने बताया की दोस्तो गौ कथा आयोजन की मुख्य उद्देश्य गायों के प्रति सम्मान बढ़ाना- गौ- सेवा का संकल्प लेना- और गौहत्या के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना है- इसके साथ ही इस गौ कथा में- गौ माता को घर- घर में स्थापित कर उनकी सेवा करने और गायों को केवल पशु नहीं- बल्कि 'मां' के रूप में पूजने की शिक्षा दी गई है- आप सभी जानते हैं कि- गौ माता हमारे लिए पूज्यनीय है- हम गौ माता की पूजन करते है- किंतु वर्तमान समय में गौ माता के साथ बहुत अत्याचार हो रहा है- प्रदेश भर से आए दिन गौ हत्या व गौ तस्करी की खबर निकलकर आती हैं- हमें उम्मीद ही नहीं पूर्ण विश्वास है की- मंडला में आयोजित यह गौ कथा को सुनकर सभी के मन में सकारात्मकता और गौ- सेवा की भावना जागृत होगी- और समाज को गौ- संस्कृति से जोड़ेगी- गौ कथा के माध्यम से ही देसी गोवंश के प्रति जागरूकता का प्रयास किया गया है कथा के अन्तिम दिन पूर्ण आहूति कन्याभोज महा प्रसादी भंडारा वितरण के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

शीतला मंदिर परिसर में इनर व्हील क्लब की सराहनीय पहल

*** श्रद्धालुओं के लिए सीमेंट चेयर दान।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

शहर के प्रसिद्ध शीतला मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इनर व्हील क्लब मंडला की महिलाओं द्वारा एक सराहनीय पहल की गई। क्लब सदस्यों ने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के बैठने हेतु सीमेंट से बनी मजबूत कुर्सियाँ (चेयर) दान कीं, जिससे विशेष रूप से बुजुर्गों, महिलाओं और दूर-दराज से आने वाले भक्तों को काफी राहत मिलेगी। क्लब ने बताया कि भविष्य में भी मंदिर परिसर में बैठक व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जाएंगे।

कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया के कर कमलों द्वारा चेयर का विधिवत उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने देवी मां का पूजन-अर्चन कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। क्लब सदस्यों ने पुष्पगुच्छ एवं नारियल भेंट कर उनका स्वागत किया। क्लब अध्यक्ष श्रद्धा तपा ने कहा कि इनर व्हील क्लब सदैव सेवा कार्यों में सक्रिय रहा है और मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं, विशेषकर बुजुर्गों को बैठने में होने वाली परेशानी को देखते हुए यह पहल की गई है। आगे भी मंदिर परिसर में आवश्यकतानुसार और सुविधाएं विकसित करने का प्रयास जारी रहेगा। कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया ने अपने वक्तव्य में कहा कि सामाजिक संगठनों की भागीदारी से ही जनहित के कार्य प्रभावी रूप से संभव हो पाते हैं। उन्होंने इनर व्हील क्लब के सेवा भाव की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक हैं और भविष्य में भी इस प्रकार की पहल को हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष श्रद्धा तपा, सचिव सुनीता पमनानी सहित रूबी तपा, प्रिया पमनानी, किरण पमनानी, आरती बृजपुरिया, अनीता चंद्रोल, दीपा खंडेलवाल, मोना जैन, अंकिता केशवानी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का वातावरण श्रद्धा एवं सेवा भावना से ओतप्रोत रहा।

खबर संक्षेप

पॉलीथिन पर शासन का प्रतिबंध दिखाई दे रहा बेअसर, खुलेआम हो रहा उपयोग

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां प्रशासन द्वारा पॉलीथिन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाते हुये नगर पालिकाओं से लेकर नगर पंचायतों को उपयोग करने वालों के खिलाफ कार्यवाही करने के आदेश भी जारी किये गये थें। मगर यह आदेश नगर पालिकाओं व नगर पंचायतों द्वारा मात्र अखबारों में ईश्हार निकालने तक की कार्यवाही करते हुये अपनी खाना पूर्ति के बाद चार दिन की चांदनी साबित होते हुये होने से नही चूके है? इसी का परिणाम है कि शासन द्वारा पन्नी के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने के लिये दिया गया आदेश मात्र अधिकारियों की फाईलों में दबकर गायब हो चुका है और जहां तहां खाने पीने की सामग्री से लेकर अन्य स्थानों पर पन्नी का उपयोग पूर्व की भांति दिखाई देने से नही चूक रहा है। देखा जावे तो इस समय लगातार हो रहे पॉलिथिन के उपयोग पर शासन का आदेश अधिकारियों की बेरूखी के चलते बेअसर दिखाई देने से नही चूक पा रहा है। स्थिति इस प्रकार से देखी जा रही है कि लोगों द्वारा पॉलीथिन का उपयोग करने में सिर्फ सब्जी भाजी ही नही रखी जा रही बल्कि गर्म चाय तक अब पॉलीथिनों में रखते हुये जहां तहां पहुंचाई जाने लगी है, जिसके चलते किसी भी पॉलीथिन में रखी हुई गर्म वस्तु जहरीली होने से नही बच पाती है और शायद इसी सोच के चलते शासन द्वारा पॉलीथिन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाते हुये कार्यवाही के निर्देश दिये गये थें। मगर इस ओर प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने का परिणाम है कि बाजार में खुलेआम पॉलीथिन का उपयोग होते हुये देखा जा रहा है।

लोकार्पण होने के पहले करोड़ों की राशि से बने ओवर ब्रिज में दिखाई देने लगी दरारें

सच्चाई छिपाने के लिये डामर सहित अन्य साग्रमी की जा रही लीपापोती

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। निश्चित तौर से जब नगर व क्षेत्र में कोई बड़ा विकास कार्य होता है तो वहां पर रहने वाले लोगों को बड़ी खुशी होते हुये देखी जाती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई नगर के रेलवे स्टेशन के समीप चीचली की ओर जाने वाले मार्ग पर बनने जा रहे रेल्वे ओवर ब्रिज को देखते हुये जान पड़ रही थी। क्योंकि चीचली की ओर जाने वाले मार्ग पर रेलवे गेट के बंद रहने की स्थिति में चीचली सहित आस पास के दर्जनों गांव के लोगों को काफी परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ता है और जब यहां पर ओवर ब्रिज निर्माण की खबर सुनी थी तो लोगों के दिलों में इस बात की खुशी देखने मिल रही थी कि शीघ्र ही इस ओवर ब्रिज के निर्माण होने से उन्हें रेल्वे फाटक के बंद रहने की परेशानी से निजात मिल जावेगी। मगर यह सोच अब जहां क्षेत्रवासियों के लिये एक सपना साबित होते हुये जान पड़ रही है..? क्योंकि इस ओवर ब्रिज के निर्माण को शुरू हुये वर्षों का समय निकल जाने के बाद भी निर्माण कार्य अब पूर्णता की ओर तो नजर आ रहा है। इसी के चलते मौके पर चल रहे रंग रोगन के कार्य से यह प्रतीत होने से नही चूक रहा है कि शायद शीघ्र ही इसके लोकार्पण तैयारियाँ शुरू हो चुकी है..? सही मायने में देखा जावे तो ओवर ब्रिज के भूमि पूजन के दौरान जो पौधा रोपित किये गये थें वह कार्य पूर्ण होने के पहले ही फल देना शुरू हो चुके है। इस तरह पूर्णता की ओर पहुंच चुके इस रेलवे ओवर ब्रिज के बाद जहां एक ओर रंग रोगन होते हुये देखा जा रहा है तो दूसरी ओर जहां तहां निकल रही दरारें निश्चित तौर से गुणवत्ता की कहानी को उजागर करने में कोई कसर नही छोड़ रही है। इस तरह दरारों के बीच उभरकर सामने आ रही सच्चाई को छिपाने के लिये उनमें डामर, सीमेन्ट का खेल सहित अन्य प्रकार की सामग्री भरते हुये इन दरारों को छिपाने के लिये प्रयास होते हुये देखे जा रहे है..? इस स्थिति के बीच नगर की सबसे बड़ी सौगात की लम्बी उम्र की कल्पना कर पाना संभव हो पायेगा..? क्योंकि जब इस ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य की शुरूआत हुई थी और रेल्वे लाईन के इस ओर यानि की गाडरवारा साईड की दीवारें खड़ी हो ही रही थी और उस समय मौसम की पहली बारिश की मार भी नही झेल पाने की स्थिति में जहां दीवारें गूढ़ा में भरे हुये कसार की तरह बिखर जाने के चलते इस ओर ब्रिज के निर्माण कार्य की गुणवत्ता शुरूआती तौर से ही सवालों के घेरे में आने से नही बच पाई है..? इस संबंध में तत्कालीन क्षेत्र के विधायक सुनीता पटेल द्वारा आपत्ति दर्ज कराये जाने से अनुमान लग रहा था कि शायद इस तरह जरा सी बारिश के बीच धराशाही हुये निर्माण के चलते संपूर्ण कार्य को नेस्त करते हुये नये सिरे से कार्य किया जावेगा। मगर मात्र टूटे हुये भाग की जगह पर मात्र जोड़ तोड़ करते हुये उसे पुनः तैयार कर देना चर्चा का विषय बनने के साथ साथ निर्माण कार्य की सच्चाई संदिग्ध बनने से नही चूक पाई है..? इस तरह वर्षो से चल रहे निर्माण कार्य के चलते अब इस ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य पूर्णता की ओर अग्रसर होते हुये तो दिखाई देने लगा है। मगर जब बीते हुये दिवस हमारी टीम द्वारा इस ब्रिज के निर्माण कार्य की सच्चाई का मौके पर पहुंचकर देखा गया तो ब्रिज के निर्मित हो चुके ब्रिज के ऊपरी भाग से लेकर नीचे की ओर अनेक जगहों पर दरारें दिखाई देने के साथ उन्हें सीमेंट के माध्यम से जिस तरह भरने का कार्य होते हुये देखा गया वह सवाल खड़े करने से नही चूक रहा है। यह सच्चाई इस बात को प्रतीत करने से नही चूक रही है कि निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा अपनी गुणवत्ता की सच्चाई को छुपाने का प्रयास किया जा रहा हो..? लोगों का कहना है कि अभी तो इस ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य पूर्ण भी नही हो पाया है और जहां तहां निकल रही दरारें तथा आड़ी तिरछी हो रही दिवारों के भरोसे क्या लम्बी उम्र की कल्पना करना संभव हो पायेगा..? क्योंकि अभी तक निर्माण कार्य पूर्ण नही होने के कारण ब्रिज का उपयोग नही होने के बाद भी दरारें निकलने के साथ दीवारें आड़ी तिरछी दिखाई देने लगी है और जब बड़े व भारी भरकम वाहनों की धमाचौकड़ी मचेगी तो फिर क्या हाल होगा..? इस सच्चाई तथा जिस गति से निर्माण कार्य चलते हुये देखा जा रहा है उसके चलते अब ब्रिज को लेकर जनचर्चाओं में यह कहा जाने लगा है कि क्या लोकार्पण की अवधि आने तक यह सौगात सुरक्षित रह पायेगी..? वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि इस समय नगर का निर्माणाधीन ओवर ब्रिज शराब खोरी करने वालों के लिये प्रमुख अड्डा बन चुका है। इस बात की सच्चाई ब्रिज के ऊपर भाग में खाली पड़ी हुई शराब को बाटले तथा अन्य प्रकार की सामग्री उजागर करते हुये देखी जा रही है कि यहां पर किस तरह से शराब खोरी चलते है। इतना ही नही इस निर्माणाधीन ब्रिज के नीचे के भाग में जहां निर्माण कार्य पूर्ण होने के पहले अतिक्रमण होने के साथ शाम होते ब्रिज के नीचे से लेकर ऊपरी हिस्से में होने वाली शराब खोरी स्थानीय स्तर के अधिकारियों की उदासीनता की कहानी को उजागर करने में कोई कसर नही छोड़ रही है। सही मायने में देखा जावे तो यह निर्माणाधीन रेलवे ओवर ब्रिज जहां अपनी गुणवत्ता को लेकर चर्चाओं में बन चुका है तो दूसरी ओर मादक पदार्थ के अवैध कारोबार से लेकर उनके उपयोग को लेकर अपनी एक अलग ही पहचान बनाते हुये संपूर्ण क्षेत्र में अनोखी प्रसिद्धि हासिल करने में कोई कसर नही छोड़ रहा है। हैरत की बात तो इस बात को लेकर हो रही है कि करोड़ों की राशि से हो रहे इस सरकारी कार्य स्थल पर गुणवत्ता तथा कार्य की शुरूआत व पूर्णता संबंधी किसी तरह की कोई सूचना संबंधि वोर्ड तक स्थापित नही किया गया है। जबकि नियम के अनुसार जब कोई को शासकीय राशि से किसी कंपनी द्वारा निर्माण कार्य किया जाता है तो उसकी संपूर्ण जानकारी कार्य स्थल पर वोर्ड लगाते हुये पारदर्शी तरीके से उजागर की जाती है। इस तरह जिम्मेदार अधिकारियों से लेकर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की चुप्पी का परिणाम आने वाली समय में क्षेत्र की जनता को भोगने के लिये मजबूर होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है..?

युवक के पास से पुलिस गांजा सहित जप्त की गई मोटर साईकिल

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। मादक पदार्थो के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिये जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना के मार्ग दर्शन में लगतार कार्यवाही की जा रही है। इसी के चलते बीते हुये दिवस गाडरवारा पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना के आधार पर नगर के वायपास रोड जमाडा वेयर हाऊस के समीप एक युवक को संदिग्ध स्थिति में मोटर साईकिल के साथ खड़ा हुआ पाये जाने पर जब उससे पूछताछ की गई तो उसने अपना नाम मुकुल पिता छोटे लाल शर्मा उम्र 19 साल निवासी ग्राम ररैया थाना देवरी जिला रायसेन निवासी बताया गया। वही तलाशी लेने पर युवक के पास से 5 किलो ग्राम गांजा पाये जाने पर पुलिस ने आरोपी के पास से गांजा सहित परिवहन में उपयोग की जाने वाली मोटर साईकिल सहित मोबाईल फोन जप्त करते हुये आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला कायम करते हुये गिरप्तार कर न्यायालय में पेश करते हुये रिमार्ड पर लिया गया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी सहित सहायक उप निरीक्षक राजेश तिवारी, प्रधान

आरक्षक राम गोपाल सिंह राजपूत, आरक्षक रूपेन्द्र चौबे, बालकृष्ण रघुवंशी बल्लू, सुजीत बागरी, शिवम पटैल, दीपक राजपूत, अखिलेश पटैल, करन सिंह का अहिम योगदान देखने मिला है।

वन विभाग की टीम द्वारा जंगल क्षेत्र की भूमि पर अवैध खनन करते हुये दो जेसीबी मशीनों को किया जप्त

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। क्षेत्र में इस समय देखा जा रहा है कि जहां लोग शासकीय भूमि पर अतिक्रमण करते हुये चले जा रहे है तो दूसरी ओर शासकीय भूमि से लेकर वन विभाग की भूमि पर अवैध खनन करने में भी कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस उस समय देखने मिली जब मुखबिर की सूचना के आधार पर गाडरवारा करेली वन विभाग की संयुक्त टीम द्वारा मारे गये छापे के दौरान वन भूमि की खुदाई करते हुये दो जेसीबी मशीनों को पकडने में सफलता हासिल की गई है। इस संबंध में वन विभाग द्वारा अपनी ओर से प्रेस विज्ञाप्ति जारी करते हुये खुलासा किया गया है कि बीते हुये 7 फरवरी को मुखबिर द्वारा मिली सूचना के चलते जिला वन मंडल अधिकारी सुश्री कल्पना तिवारी के निर्देशन तथा उप वन मंडल अधिकारी गाडरवारा व परिक्षेत्र अधिकारी गाडरवारा के हमराह में गाडरवारा

करेली वन अमला द्वारा संयुक्त रूप से वन विभाग की बीट विजनपुर करेली परिक्षेत्र के कक्ष क्रमांक आर एफ 297 वन सीमा के अंदर दो जेसीबी मशीन अलग अलग स्थानों पर अवैध रूप से खुदाई करते हुये मिली जिनको वन विभाग की टीम द्वारा जप्त किया गया है। वन अधिकारियों द्वारा जारी प्रेस विज्ञाप्ति में बताया है कि मौके पर जप्त की गई जेसीबी मशीन के आरोपी अंकित/अर्जुन ठाकुर व कृषक राजाराम/मोहन कौरव आंडेगांव से जप्त की गई है तथा दूसरी जेसीबी आरोपी राजेश/दामोदर ठाकुर साकिन पलोहा राजमार्ग कृषक हरिदास राजक साकिन बेलखेडी करेली परिक्षेत्र से जप्त करते हुये मामला कायम कर जांच में लिया गया है। इस कार्यवाही में सुनील वर्मा उप वन मंडल अधिकारी गाडरवारा, महेश कापुष्कर वन परिक्षेत्र अधिकारी गाडरवारा के अलावा रामेश्वर किरार, राजेश कौरव, ब्रज किशोर ठाकुर, रामदास मरकाम, नासिर खान वनपाल, घनश्याम श्रीवास, मनीष तिवारी, सतीश शर्मा, महेन्द्र शर्मा, राकेश परिहार, रवि ठाकुर, उमेश ठाकुर, सचिन कटारे, राजेन्द्र ठाकुर, छत्रपाल राजपूत, अमन खरे, प्रिंस साहू, ब्रजेश पटैल, पुष्पराज कौरव वनरक्षक एवं नारायण वर्मा तथा योगेश वर्मा वाहन चालक का विशेष योगदान देखने मिला।

अपने अस्तित्व को बचाने ने के लिए जूझ रहा सालीचौका साप्ताहित बाजार समय रहते ध्यान नहीं दिया तो बसुरिया बाजार का रूप धारण कर लेगा?

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका। अक्सर देखा जाता है कि जब किसी शहर या कस्बे में साप्ताहिक बाजार लगता है तो निश्चित उस क्षेत्र के लोगों को बाजार से काफी सुविधा होने के साथ साथ सप्ताह में एक दिन जरूरी सामग्री निर्धारित दामों पर उपलब्ध हो जाती है, कुछ इसी प्रकार से नगर सालीचौका में सप्ताह में दो दिन यानि की गुरूवार व रविवार को लगने वाले बाजार में देखी जाती है, यहां पर बाजार के दिन सिर्फ सालीचौका ही नही बल्कि आसपास के अनेक गांवों से लोग पहुंचकर जहां जरूरी सामग्री खदीदते है और इस बाजार में दूर दूर से दुकानदार आकर अपनी दुकान लगाते हुए रोजी रोटी भी चलाते है। मगर देखा जा रहा है कि नगर में लगने वाले इस साप्ताहित बाजार पर जिस प्रकार से बदहाली की काली छाया मंडरा रही है उसके चलते बाजार लगातार अपने अस्तित्व को बचाने के लिए जूझने लगा है? वर्षो से लगने वाले इस बाजार में लगातार अतिक्रमण होने के कारण जहां दुकानदारों के लिए जगह कम होती चली जा रही है और इसी का परिणाम है कि दिनों दिन बाहर से दुकानदारी करने आने वालें दुकानदारों में कमी दिखाई देने लगी है, वही बाजार के दिवस पर होने वाली आवारा गर्दी के चलते भी लोगों द्वारा इस बाजार में आने के लिए भय सताने लगी है, जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस बाजार का संपूर्ण संचालन नगर परिषद के जिम्मे है जो बाजार में दुकानदारी करने वाले लोगों से टेक्स की बसूली तो की जाती है, मगर दुकानदारों को सुविधा के नाम पर कुछ उपलब्ध नही हो पा रहा है इस स्थिति में दुकानदारों को तो परेशान होते हुए देखा जा रहा है। मगर बाजार में फैल रही अव्यवस्थाओं के साथ बदहाली को लेकर किसी भी प्रकार के प्रयास नही किये जा रहे है जिसके चलते नगर के जनप्रतिनिधियों की स्वार्थ पूर्ण कार्यशैली का शिकार हो

रहे इस बाजार की ओर यदि समय रहते हुए ध्यान नही दिया गया तो निश्चित ही नगर का यह बाजार भी समीपस्थ ग्राम बसुरिया के साप्ताहिक बाजार का रूप धारण करने में कोई कसर नही छोड़ेगा? ज्ञात हो कि वर्षो पूर्व समीपस्थ ग्राम बसुरिया में प्रति मंगलवार को लगने वाला साप्ताहिक बाजार भी संपूर्ण क्षेत्र में जाना पहचाना जाता था, जिसमें सभी प्रकार की दुकाने लगने के साथ साथ इस बाजार में हमारे जिले के आलवा अन्य जिलों के दुकानदार भी पहुंचते हुए देखे जाते थें और बाजार का रूप इस प्रकार से हो चुका था कि लगातार दो दिनों तक समाप्त नही होता था, मगर यहां पर स्वार्थी नेताओं की भेंट चढ़ा बासुरिया बाजार एक छोटे रूप में पहुंच चुका है और यदि समय रहते हुए सालीचौका बाजार की व्यवस्थाओं की ओर ध्यान नही दिया गया तो निश्चित ही एक दिन यह बाजार भी उसी रूप में आ पहुंचेगा जिसमें चंद दुकाने ही दिखाई देगी? यह बात अलग है कि आये दिन नगर में राजनैतिक या फिर सामाजिक कार्यक्रमों के दौरान नगर के नेताओं की भीड़ व प्रभाव देखने के लिए तो जरूर मिलता है, मगर बदहाली की स्थिति में पहुंच रहे इस बाजार की ओर शायद ही आज तक किसी नेता या फिर जनप्रतिनिधि द्वारा अपनी सोच रखी गई हो? जिससे नगर की बाजार में फैल रही व्यवस्थाओं में सुधार हो सुके।

मादक पदार्थो के अवैध कारोबार की तर्ज पर बढ़ रहा शहरों से लेकर गांव गांव ट्यूशनखोरी का कारोबार

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। जहां एक ओर सरकार द्वारा बच्चों को शिक्षा ग्रहण करने के लिए अच्छे स्कूलों की व्यवस्था के साथ साथ अन्य जरूरी सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। वही स्कूलों में पदस्थ शिक्षकों के लिए सरकार द्वारा बच्चों का भविष्य सुधारने के लिए अच्छी सेलरी प्रदान करने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि नगर सहित क्षेत्र के अनेक शासकीय व निजी शिक्षण संस्थाओं के शिक्षकों द्वारा बच्चों को स्कूल में अच्छी पढ़ाई कराने की जगह उन्हें ट्यूशन लगाने के लिए जिस प्रकार से मजबूर किया जाता है उसके चलते अब स्थिति इस प्रकार से दिखाई देने लगी है कि नगर की हर कुलिया व कालोनियों में ट्यूशन खोरी की धंधा सट्टे के कारोबार की तर्ज पर पूर्ण चरम पर दिखाई देने लगा है? क्योंकि इस समय फरवरी माह का पहला सप्ताह बीतने को है और चंद दिनों बाद वोर्ड परीक्षाओं की शुरूआत हो रही है। जिसके चलते शहर की शासकीय और अशासकीय शिक्षण संस्थाओं शिक्षक शिक्षिकाओं द्वारा अपने स्कूलों के बच्चों के कोर्स की पढ़ाई तेज से कराने में जुट गये है। वही अभिभावकों की माने तो अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में तो अध्यापान व्यवस्था ठीक होने से कोर्स की पढ़ाई पूरी होने की गति से बढ़ रही है। लेकिन छुट्टटियों की अधिकता और कथित तौर पर शिक्षकों की उदासीनता की बजह से जो कोर्स की पढ़ाई पूरी होने में जहां रूकावट आई थी उसे दूर करने में शासकीय स्कूलों के अधिकतर शिक्षकों को ठंड के मौसम में भी पसीना आते हुए दिखाई दे रहा है? क्योंकि शिक्षा विभाग उन पर शीघ्र ही कोर्स की पढ़ाई पूरी कराने का लगातार दबाव डाल रहा है। वही बताया जाता है कि एक ओर शासकीय स्कूलों के ईमानदार व कर्मठ शिक्षक बच्चों के हित में अपने कोर्स की पढ़ाई पूरी कराने के लिए लगातार कड़ी मेहनत कर रहे है तो वही गणित, विज्ञान व अंग्रेजी विषय के शिक्षक शिक्षिकाएं ट्यूशन खोरी करने में मस्त दिखाई दे रहे है? इस सच्चाई को लेकर अने बच्चों के अभिभावकों का कहना है कि नगर में मादक पदार्थो के धंधे की तर्ज पर जिस प्रकार से ट्यूशन खोरी का कारोबार चरम पर आता चला जा रहा है जो रात दिन ट्यूशनखोरी शिक्षक अपने घरों में बच्चों को पढ़ाने के लिए बुलाते हुए देखे जा रहे है। जिसके चलते जिसके चलते नगर की सड़कों से लेकर कालियों में सुबह 4 बजे से लेकर देर रात तक ट्यूशन पढ़ने वाले छात्र छात्राओं की भीड़ दिखाई दे रही है। जिसकी नियम के अनुसार बताया जाता है कि किसी भी शासकीय शिक्षण संस्था में पदस्थ शिक्षकों द्वारा किसी भी ट्यूशनखोरी करने पर रोक लगी होने के बाद भी अनेक शिक्षकों द्वारा धडल्ले से शासन के आदेशों की धज्जियाँ उड़ाते हुए देखा जा रहा है और कुछ इसी प्रकार का हाल अनेक निजी शिक्षण संस्थाओं शिक्षक शिक्षिकाओं का भी देखा जा रहा है? मगर इस प्रकार से नगर की गलियों गलियों चल रहे ट्यूशनखोरी के धंधे के चलते जहां शिक्षकों द्वारा बच्चों से मनमानी फीस बसूली जा रही है जिसके चलते भीषण महंगाई के चल रहे दौर में अभिभावकों की जेबे हलकी होने से उन्हें बच्चों का भविष्य बनाने की सोच चिंता का विषय बनती हुई दिखाई देने लगी है।

जहां तहां अधूरे पड़े शौचालयों के गड्डे मूक पशुओं की जिन्दगी के लिये बन रहे खतरा

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। देश को स्वच्छ व स्वास्थ्य बनाने की सोच के चलते सरकार द्वारा शुरू की गई स्वच्छता की मुहिम के चलते जिस प्रकार से लगभग लगभग 6-7 वर्ष पूर्व जिस प्रकार से जिले से लेकर ब्लाक स्तर पर बैठे हुए अधिकारियों द्वारा अपनी वाही वाही लूटने के लिए जिले को बाह शौच घोषित मुक्त कराये जाने की जो रामलीला की गई थी, उसको लेकर स्थानीय अखबारों द्वारा लगातार इस बात को उजागर किया जा रहा था कि जब लोगों के घरों में अभी तक शौचालयों का निर्माण हुआ ही नही है तो फिर आखिर में जिला बाह्शौच मुक्त घोषित कर कैसे दिया? मगर इस बात को लेकर न तो उस समय जिले के जिम्मेदार जन प्रतिनिधियों द्वारा ध्यान दिया गया और न ही अधिकारियो द्वारा जिसका परिणाम यह हुआ कि जिला स्तर पर बैठे हुए अधिकारियों द्वारा किसी भी प्रकार से अपनी वाही वाही लूटने के लिए संपूर्ण जिले को इस प्रकार से लगभग पांच छः वर्ष पूर्व प्रदेश के नेताओं से बाह्शौच मुक्त घोषित कराते हुए सम्मान पाया गया था। वह सिर्फ चर्चा का विषय ही नही बल्कि उस समय विपक्ष में बैठी हुई पार्टियों की उदासीनता को भी उजागर करते हुए जान पड़ रहा था? क्योंकि जहां प्रशासन द्वारा लोगों के घरों में शौचालयों का निर्माण किया गया है उनकी गुणवत्ता शौचालयों के नाम पर हुए भ्रष्टाचार की कहानी स्वयं बताते हुए दिखाई दे रहे है जो आज तक पूरे नही हो पाये है और जिले को प्रदेश में सबसे पहले वाहशौच घोषित करने में अपनी वाही वाही लूटने वाले अधिकारी भी यहां से बिदा ले चुके है? वही दूसरी यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो जिस प्रकार से लगभग पांच छः वर्ष पहले फर्जी तरीके से घोषित हुए ओडीएफ जिले की सच्चाई देखी जावे तो शहर से लेकर गांवों में आज भी स्पष्ट दिखाई पड़ रही है जहां पर अनेक लोगों के घरों में आज तक शौचालयों का निर्माण नही होने के कारण वह लोग खुले मैदानों का उपयोग करते हुए देखे जा रहे है और अनेक लोगों के घरों म शौचालयों का निर्माण आज भी अंधूरा पड़ा हुआ है जिसके चलते शौचालयों के निर्माण हेतु खोदे गये गड्डे मूक पशुओं के साथ साथ आम लोगों की जिन्दगी के लिए खुलेआम खतरे की घंटी बजाते हुए दिखाई पड़ रहे है? इस प्रकार से अंधूर पड़े हुये शौचालय की सच्चाई आये दिन शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में देखने मिलने से नही चूक रही है जब इन अंधूरे शौचालयों के गड्डो में मूक पशु गिरने से उनकी जान खतरे में पड़ते हुये देखी जाती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते वर्ष भी उस समय देखने मिल चुकी थी जब क्षेत्र में अनेक जगहों पर इस प्रकार से अधूरे पड़े हुये शौचालयों के गड्डो में मूक पशु गिरने से उनकी मौत तक हो चुकी है। मगर इस ओर शासन प्रशासन द्वारा शायद ध्यान इसलिय नही दिया जा रहा है क्योंकि शासन के रिकार्ड में शौचालय तो पूर्ण हो चुके है तभी तो जिला ओडीएफ घोषित हुआ होगा?

दुकानों से लेकर वाहनों में भी धड़ल्ले से हो रहा घरेलू गैस का उपयोग, प्रशासन की भूमिका बनी संदिग्ध?

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। जहां एक ओर लोगों को इस समय गैस प्राप्त करने के लिए परेशान होते हुए देखा जाता है। वही दूसरी ओर घरेलू गैस का व्यवसायिक उपयोग प्रतिबंधित है। मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि नगर में जहां खुलेआम घरेलू गैस को नियम विरूद्ध तरीके से दुकानों पर व्यवसायिक रूप से उपयोग हो रहा है, इस बात की सच्चाई सड़को पर आलू बंडा, चाट, मुंगोडी और अंडे का ठेला लगाने वाले बेहतर जानते है? जब भी किसी अधिकारी को कानून का पालन करानें की याद आती है तो सड़क किनारे से 4-5 सिलेंडर जप्त कर लिये जाते है। परंतु रसूखदार मालिको के बड़े प्रतिष्ठानो पर कार्यवाही करने में अधिकारियो के हाथ में न जाने क्यो दही जम जाता है? घरेलू गैस के दुरूपयोग को रोकना खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की जिम्मेदारी है मगर विभाग द्वारा दिखाई जाने वाली सुस्ती से घरेलू उपभोक्ताओं के हक पर डाका डाल रहे होटल संचालको व अन्य व्यवसायियो के हौसले बुलंद है। शादियो सीजन के दौरान जहां खुलेआम घरेलू गैस का दुरूपयोग होते हुये देखा जाता है। वही दूसरी ओर जिम्मेदार अधिकारी जम शाम ढले किसी समारोह में सह परिवार पहुंचते है तो वहां हर स्टॉल पर घरेलू सिलेंडरो पर रखे कड़ाहो से विभिन्न व्यंजन तलकर निकलते है तो वे इनका आनंद लेते हुई दिखाई देने से नही चूकते है? इस प्रकार से घरेलू सिलेंडरो का मुद्दा कैटरर्स के पाले में आते ही उनके रसूख और शादियो के ढोल ढमाको में दबकर रह जाता है। वही देखा

जावे तो प्लेट्स के आधार पर बिल चार्ज करने वाले कैटरर्स को व्यवसायिक काम के लिए कामर्शियल सिलेंडरो का उपयोग करना गंवारा नही है जिसके चलते प्रतिदिन दर्जनो सिलेंडर खाली कर देने वाले इन कैटरर्स को कभी गैस संकट का सामना भी नही करना पड़ता है। इस प्रकार से घरेलू गैस की बढ़ती कीमतो ने भले ही खाने का स्वाद बिगाड़ दिया हो मगर आयोजनों में खाना बनाने वाले पूरी दिलैरी के साथ लोगो को लजीज व्यंजनो का स्वाद चखा रहे है। रसोई गैस में दौड़ रहे वाहन इतना ही नही यदि गौर किया जावे तो क्षेत्र मे सैकड़ो की तादाद में सीएनजी ईंधन से चलने वाले वाहन दौड़ रहे है वही दूसरी ओर जिले में कही भी सीएमजी रिफलिंग सेन्टर नही है, जो वाहन चालक अपने वाहन में वास्तव में सीएनजी भराना चाहता है उसे किसी दूसरे बड़े महानगरों के रिफलिंग सेन्टर जाना पड़ेगा, ऐसे में अब प्रश्न यह उठता है कि इन्हे सीएनजी गैस टेंक में डालने कहां से मिलती है? जाहिर सी बात है उपभोक्ताओं के हिस्से की टंकी इन्ही वाहनो में रिफिल की जा रही है, जिसके चलते शहर में आये दिन चोरी छुपे 100-50 रूपये में रिफिल किये जाने का कारोबार जोरो पर है? जबकि देखा जावे तो इस प्रकार से रसोई गैस से वाहनो को दौड़ाने के चक्कर में आये दिन किसी ने किसी शहर में हादसे होने की खबर आती रहती है मगर इसके बाद भी प्रशासन का रवैया गैर जिम्मेदाराना होना चिंता की बात है? जबकि इस प्रकार से संभावित हादसो और घरेलू गैस की किल्लत को रोकने के लिये यह बेहद आवश्यक है कि विभागीय अधिकारी गंभीरता दिखाते हुए इन पर नकेल कसने का प्रयास करें एवं जिन स्थानो पर असुरक्षित तरीके से गैस रिफलिंग का काला कारोबार चल रहा है उन ठिकानो पर छापामारी कर उन्हे सबक सिखाया जाये, वही विवाह समारोहो एवं अन्य ऐसे आयोजन जहां घरेलू गैस के दुरूपयोग पर भी अंकुश लगना जरूरी है?

अतिक्रमण के चलते पुराने बस स्टेंन्ड पर बन रही जाम की स्थिति

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर में प्रमुख माने जाने वाले मार्ग यानि की पुराने बस स्टैन्ड के चारों ओर फैला हुआ अतिक्रमण के साथ साथ कुछ दुकानदारों द्वारा अपनी अस्थाई दुकाने पुलिया के ऊपर लगाये जाने के चलते यहां पर जाम की स्थिति बनते हुये देखा जाना आम बात हो चुकी है। बताया जाता है कि यह मार्ग नगर की पुरानी गल्ला मंडी से लेकर मुख्य बाजार की ओर जाता है। वही दूसरी ओर इसी क्षेत्र के शराब ठेका होने के साथ साथ अन्य जरूरी सामग्री की दुकाने के कारण शहर से लेकर ग्रामीणों लोगों के लिये आने जाने हेतु मुख्य मार्ग है। वही दूसरी ओर इसी मार्ग से क्षेत्र के किसानों के ट्रेक्टर ट्राली सहित अन्य प्रकार के वाहनों का आना जाना होता है। वही दूसरी ओर यहां से निकले हुये नगर के लडैया नाले के ऊपर बनी हुई पुलिया पर जिस तरह हाथ ठेला वाले लोगों द्वारा अपना कब्जा जमाते हुये दुकाने लगाई जाती है उसके चलते मार्ग की चौड़ाई और सकरी हो जाती है। इस स्थिति में जब कोई वाहन निकलते हुये आमने सामने से फंस जाते है तो फिर जाम की स्थिति बनने से नही चूक पाती है। वही दूसरी ओर दुकानों के सामने खड़े होने वाले वाहनों सहित फैले हुये अतिक्रमण के चलते यहां पर दिन में अनेको बार जाम की स्थिति बनते हुये देखा जाना जहां आम बात हो चुकी है। वही दूसरी ओर यहां पर हाथ ठेलों पर कुछ विशेष लोगों द्वारा

लगाई जाने वाली दुकानों के दौरान जब किसी का वाहन इन लोगों के दुकानों से जरा भी टच हो जाता है तो वह मारपीट करने से भी पीछे नही रहते है। इस स्थिति के दौरान अक्सर देखा जाता है कि जाम बे बीच जब किसी ग्रामीण या अन्य व्यक्ति का वाहन पुलिया पर लगनी वाली दुकानों की सामग्री को छति पहुंचा देता है तो इन दुकानदारों द्वारा अपनी सामग्री की क्षतिपूर्ति के नाम से उससे मनमानी राशि बसूलने में पीछे नही रहते है। इस तरह पुराने बस स्टेन्ड की पुलिया पर लगने वाली नियम विरूद्व इन दुकानों की सच्चाई को मीडिया द्वारा लगातार उजागर किये जाने के बाद भी अधिकारियों द्वारा किसी भी प्रकार से ध्यान नही दिये जाने का परिणाम है कि जहां इनके हौसले बुलंद होते चले जा रहे है और आम लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है।

नगर के वार्डो में घुस रहे भारी ट्रक व डंपर से नगरवासियों की जिन्दगी खतरे में?

गाडरवारा। नगर की मुख्य सड़क आमगांव नाका से स्टेशन तक भारी वाहनों के दवाव के चलते लाखों रूपया की लागत से वायपास रोड का निर्माण किया गया है। वही दूसरी ओर नगरवासियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन द्वारा नगर में भारी वाहनों के प्रवेश पर नो एन्ट्री भी लागू की गई है? मगर इसके बाद यदि भारी वाहन नगर के वार्डो में ही प्रवेश करने लगे तो नगरवासियों की जिन्दगी कहा तक सुरक्षित रह सकती है? इस बात की मिशाल इस समय नगर के अनेक वार्डो में दिखाई दे रही है। नगर के अनेक वार्डो में रेत गिट्टी सहित अन्य सामग्री लेकर खुलेआम में भारी भरकम डम्फरों व ट्रको की आवाजाही जाई से जहां नगरपालिका द्वारा आमजन की सुविधा के लिए बनाई गई सड़के टूट रही है। वही दूसरी ओर यहां के लोगों की जिन्दगी पूर्णरूप से खतरे में दिखाई पड़ रही है।

खबर संक्षेप

सडक निर्माण में अनियमितताओं पर ग्रामीणों ने विधायक पर जताई नाराजगी वाहन रोककर किया विरोध, विधायक ने कहा गुस्सा जायज

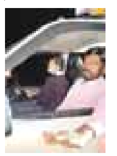

डिंडोरी। जनपद पंचायत अमरपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत परसेल के पोषक ग्राम पिंडरूखी में शुक्रवार की शाम ग्रामीणों ने शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे की गाड़ी को रोक कर विधायक को सडक निर्माण में की गई गडबडी को लेकर खरी खोटी सुनाई। ग्रामीणों का गुस्सा इस बात पर फूट पडा था कि सड़क निर्माण में की गड़बड़ियों के कारण पैदल चलना भी मुश्किल हो रहा है। युवाओं के विरोध के बाद विधायक ने सी सी सडक निर्माण में हुई गड़बड़ियों की जांच कराने का आश्वासन दिया है। विधायक शाम करीब सात बजे परसेल ग्राम पंचायत के पोषक ग्राम पिंडरुखी में भूमि पूजन कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। ग्रामीण युवा रास्ते में पत्थर रखकर बैठे हुए थे। जैसे ही विधायक की गाड़ी पहुंची तो रोक लिया और सरपंच ,सचिव द्वारा सीसी सड़क निर्माण में धांधली का आरोप लगाते हुए बताया कि शिकायत कलेक्टर की जनसुनवाई और जिला पंचायत सीईओ को की गई है, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। अब आप भी उसी खराब रास्ते से जाओ हालांकि विधायक फिर कार्यक्रम में बिना शामिल हुए ही वापस आ गए। इस बावद विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने कहा कि ग्रामीणों ने ही मुझे चुनकर विधायक बनाया है, मेरी जवाबदारी है, अब अधिकारी नहीं सुन रहे है तो वे मुझे ही रोक कर बताएंगे। मैने अधिकारियों से कहा कि जांच करवाए और संबंधितों के विरूद्ध कार्यवाही करें।

छात्रावास और आश्रम तक सड़क निर्माण की मांग

डिंडौरी। जनपद शिक्षा केंद्र अमरपुर मुख्यालय में वरिष्ठ बालक छात्रावास एवं अंग्रेजी माध्यम बालक आश्रम संचालित हैं। जहां भवन एवं बाउंड्री वॉल निर्माण किया जा चुका हैं। परंतु इन दोनों संस्थानों तक पहुंचाने के लिए सड़क मार्ग की महती आवश्यकता महसूस की जा रही हैं। जहां बालक छात्रावास के छात्रों को प्रतिदिन विद्यालय जाना पड़ता हैं। छात्रावास से मुख्य मार्ग तक पहुंचने में छात्रों को भारी मशक्कतों का सामना करना पड़ता हैं। मार्ग में गढ्डों के साथ-साथ बड़े-बड़े पत्थर भी निगल आये हैं। जहां पैदल या वाहन चलाना जोखिम भरा हुआ हैं। ग्रामीणों द्वारा तत्कालीन सहायक आयुक्त संतोष शुक्ला से अमरपुर सक्का मुख्य मार्ग से आश्रम तक एवं अमरपुर रामगढ़ मुख्य मार्ग से छात्रावास तक सड़क निर्माण करने मांग की गई थी। परंतु अधिकारियों द्वारा आश्रम एवं छात्रावास के बीच सीमेंट कांक्रीट सड़क निर्माण तो कराया गया। जोकि इतना निम्न स्तर का निर्माण कराया गया कि कुछ ही दिनों बाद पूरी सड़क उखडने लगी है। आश्रम के मासूम छात्रों एवं छात्रावासी छात्राओं को सुविधा के मद्देनजर ग्रामीणों द्वारा पूर्व में मांग अनुसार सक्का मार्ग एवं रामगढ़ मार्ग से दोनों संचालित संस्थानों तक सड़क निर्माण कार्य कराये जाने की मांग की है।

विदाई समारोह का किया गया आयोजन

डिंडोरी। शनिवार को मुड़की रोड स्थित डिंडोरी पब्लिक स्कूल में कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया।जिसमें विद्यालय संचालक रामेश्वर प्रसाद द्विवेदी, प्रबंधक श्रीमती निधि द्विवेदी, प्राचार्य अनुराग द्विवेदी व समस्त शिक्षकों की उपस्थिति में कक्षा छठवीं से नवमी तक के छात्र छात्राओं द्वारा यह कार्यक्रम खेल, नृत्य, गायन के साथ हर्सोल्लास से मनाया गया और आगामी परीक्षा के लिये शुभकामनाएं प्रेषित की।

आसपास सैकड़ों लोग थे मौजूद, वारदात को अंजाम देकर आरोपी फरार

बजाग गुदरी मड़ई में सरेआम चाकूबाजी, चार युवक घायल

डिंडौरी

बजाग थाना अंतर्गत गुदरी मड़ई में शुक्रवार शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब सैकड़ों लोगों की भीड़ के बीच में दो समूहों के बीच हुए विवाद के बाद चाकूबाजी की घटना सामने आई। घटना शाम लगभग साढ़े छह बजे झूला, सर्कस व डांस शो पंडाल के समीप घटित हुई, जहां बड़ी संख्या में महिला-पुरुष और बच्चे मनोरंजन करने मड़ई में आए हुए थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पहले दोनों समूहों के बीच वाद-विवाद हुआ, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। इसी दौरान एक समूह के दो से तीन अज्ञात युवकों ने धारदार हथियार से दूसरे समूह के चार युवकों पर पेट व पीठ पर वार कर उन्हें लहूलुहान हालत में पहुंचा दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना के बाद मड़ई परिसर में दहशत का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बजाग में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार किया गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार घायलों ने बताया कि वे डांस कार्यक्रम के पंडाल के पास खड़े थे, तभी तीन अज्ञात युवक वहां पहुंचे और बिना कारण बहस करने लगे। आरोप है कि मड़ई क्यों आए हो, आगे यहां दिखाई मत देना कहते हुए आरोपियों ने अचानक हमला कर दिया। पीड़ितों ने यह भी बताया कि वे आरोपियों को नहीं पहचानते। घायलों में तीरथ मरावी निवासी वरसोद, निर्मल श्याम निवासी कछरा टोला, अर्जुन मरकाम निवासी गाड़ासरई एवं तरुण ऊईके वरगांव शामिल हैं। पुलिस ने पीड़ितों की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध धारा 296(बी), 115(2), 118(1), 351(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की तलाश की जा रही है और मड़ई क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त किया गया है।

मवेशी के हमले में एक माह के मासूम की मौत

डिंडौरी। कोतवाली थाना अंतर्गत धनुवासागर के नजदीक रविवार की सुबह लगभग 8.30 बजे एक महिला अपने एक माह के मासूम बच्चे को बागा में बांधकर सिर में लकड़ी का गट्ठा रखकर बेचने जा रही थी इसी दौरान दो बैल लड रहे थे तभी एक बैल ने महिला को पीछे से हमला कर दिया जिससे महिला अपने बच्चे और लकड़ी के गट्ठे सहित गिर गई जिसमें मासमू और महिला को गंभीर चोट लगी थी जिन्हें उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान बच्चे की मौत हो गई, वहीं घायल महिला का उपचार जारी है। पुलिस ने मर्ग कायम कर बच्चे का पीएम करा परिजनों को सौंप दिया है।

पानी की टंकी में मिला अधेड़ महिला का शव

डिंडौरी।

शाहपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जोगी टिकरिया में स्थित निर्माणाधीन बाल हनुमान मंदिर की पानी की टंकी में रविवार को एक अधेड़ महिला का शव मिला है। घटना जबलपुर-अमरकंटक नेशनल हाईवे के पास की है। मंदिर के पुजारी पवन दास त्यागी ने बताया कि रविवार सुबह करीब 6 बजे जब वह पानी लेने के लिए टंकी के पास पहुंचे, तब उन्होंने महिला का शव देखा। पुजारी ने तुरंत ग्रामीणों को जानकारी दी और पुलिस को सूचना दी गई, पुजारी ने बतलाया कि मंदिर का निर्माण जन सहयोग से हो रहा है और काम बंद होने के कारण पिछले तीन-चार दिनों से वहां कोई नहीं था। शाहपुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को बाहर निकाला और पंचनामा तैयार कर शव का पीएम कराया है। पुलिस और ग्रामीणों के अनुसार, महिला को पहले कभी गांव में नहीं देखा गया था, जिससे अंदेशा है कि वह कहीं बाहर की रहने वाली थी। सब-इंस्पेक्टर निरंजन सिंह ने बताया कि मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अब आसपास के इलाकों और थानों में महिला का हुलिया भेजकर उसकी पहचान करने की कोशिश कर रही है।

बिरसा मुंडा स्मारक स्थल मैदान में की गई सभा

आजाद अध्यापक शिक्षक संघ ने 22 सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

डिंडौरी।

अध्यापक शिक्षक संवर्ग की लंबित मांगो और समस्याओं का निराकरण करने के लिए आजाद अध्यापक शिक्षक संघ द्वारा रविवार को बिरसा मुंडा स्मारक स्थल मैदान में सभा की गई। इसके बाद मुख्यमंत्री के नाम 22 सूत्रीय मांगो का ज्ञापन कलेक्ट्रेट में नायब तहसीलदार शशांक शेडे को सौंपा गया। आजाद अध्यापक शिक्षक संघ द्वारा ज्ञापन में अध्यापक शिक्षक संवर्ग को भी कमोन्नति और समयमान वेतनमान की भाँति प्रथम नियुक्ति दिनांक से सेवा अवधि की गणना करते हुये पेंशन ग्रेच्युटी एवं अवकाशों का नगदीकरण का लाभ सुनिश्चित किए जाने, अध्यापक शिक्षक संवर्ग को केन्द्रीय कर्मचारियों की भाँति 1 जनवरी 2026 से आठवें वेतनमान का लाभ दिया जाने, मध्यप्रदेश के समस्त एनपीएस धारक कर्मचारियों को पुरानी पेंशन लागू किए जाने, विगत वर्षों में दिवंगत अध्यापक शिक्षक संवर्ग के आश्रित परिवार के सदस्य को अविलंब अनुकंपा नियुक्ति का लाभ दिया जाने, गुरूजियों को उनकी प्रथम नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता दी जाने, जनजातीय कार्य विभाग में कार्यरत अध्यापक शिक्षक संवर्ग को स्कूल शिक्षा विभाग में मर्ज किया जाने, अध्यापक शिक्षक संवर्ग की माह सितम्बर 2022 की रूकी हुई हड़ताल अवधि का वेतन भुगतान किया जाने की मांग की गई है। इसी प्रकार अध्यापक शिक्षक संवर्ग के कुल रिक्त पदों में से 50 प्रतिशत रिक्त पदों पर पदोन्नत किए जाने, अध्यापक शिक्षक संवर्ग के तीन संतान वाले कर्मचारियों को प्रशासनिक कार्यवाही से मुक्त किया जाने, अध्यापक शिक्षक संवर्ग को कैशलेस मेडिकल क्लेम की सुविधा दी जाने, स्कूल शिक्षा विभाग से जन जातीय कार्य विभाग में प्रतिनियुक्ति पर आये शिक्षकों को और जनजातीय कार्य विभाग से स्कूल शिक्षा विभाग में प्रतिनियुक्ति पर आये शिक्षकों को उसी विभाग में मर्ज कर उसी विभाग द्वारा क्रमोन्नति, समयमान, वेतनमान, और पदोन्नति आदि के समस्त लाभ प्रदान किया जाने की मांग की गई है। इसके अतिरिक्त विगत वर्षों में अध्यापक शिक्षक संवर्ग से सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों की सेवा अवधि की गणना प्रथम नियुक्ति दिनांक से करके ग्रेच्युटी का भुगतान किया जाने, वर्तमान में गुरूजी और संविदा शिक्षक पद में पदस्थ गुरूजी को लगभग तीन हजार रूपये मासिक वेतन प्राप्त कर रहे है और जो संविदा शिक्षक लगभग पांच हजार रूपये मासिक वेतन प्राप्त कर रहे है उन्हें प्राथमिक शिक्षक का न्यूनतम वेतनमान दिया जाने, अतिथि शिक्षकों को नियमित करते हुये नियमित शिक्षकों की भाँति अवकाश, चिकित्सा, बीमा आदि की सुविध प्रदान की जाने, माध्यमिक शालाओं में विज्ञान शिक्षक का पद अनिवार्य किया जाने, 56 वर्ष से अधिक आयु वाले प्राचार्य , व्याख्याता, उच्च माध्यमिक शिक्षक, प्रधान अध्यापक, माध्यमिक शिक्षकों को विभाग में प्रतिनियुक्ति के पदो से मुक्त किया जाये, साथ ही चार वर्ष से अधिक प्रतिनियुक्ति में पदस्थ कर्मचारियों को मुक्त करके नवीन प्रतिनियुक्ति दिए जाने, अध्यापक शिक्षक संवर्ग की सेवानिवृत्त आयु 65 वर्ष की जाने, कार्यालयीन अधिकारी कर्मचारियों की भाँति शिक्षकों को भी शनिवार का अवकाश प्रदान किया जाये अथवा शनिवार के अवकाश के स्थान पर अर्जित अवकाश प्रदान किया जाने, अध्यापक शिक्षक संवर्ग के स्वेच्छिक स्थानांतरण किया जाये एवं लंबित स्थानांतरण के आदेश जारी करने, अध्यापक शिक्षक संवर्ग की कमोन्नति, समयमान वेतनमान एवं पदोन्नति के लिए वर्तमान में पदस्थ अहारण संवितरण अधिकारियों के द्वारा ही पांच वर्ष की सीआर मान्य की जाये तथा समय से उक्त लाभ प्रदान करते हुये एरियर्स का भुगतान अविलंब किया जाने, दोष पूर्ण ई-अटेडेंन्स बंद करने एवं नवनियुक्ति शिक्षकों को नियुक्ति दिनांक से 100 प्रतिशत वेतन देने की मांग भी की गई है।

शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने अमरपुर क्षेत्र में विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

डिंडौरी।

शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे के द्वारा जनपद पंचायत अमरपुर अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया गया। प्रथम कार्यक्रम में ग्राम पंचायत जल्दा मुडिया के ईमली टोला घाट के नीचे से सुरेश के घर की ओर सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। इसके बाद ग्राम पंचायत किसलपुरी में नवीन हायर सेकेंडरी स्कूल भवन का लोकार्पण किया गया, वहीं ग्राम पंचायत परसेल के पोषक ग्राम हथकटा में नवीन आंगनवाड़ी भवन का लोकार्पण, रंगमंच निर्माण कार्य का भूमिपूजन तथा फूलसिंह मरकाम के घर से नानसिंह मरावी के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। इसी क्रम में ग्राम पंचायत परसेल के पोषक ग्राम पिण्डरुखी में हरिसिंह के घर से ईजीएस स्कूल तक सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन संपन्न हुआ। इसके साथ ही ग्राम पंचायत भपसा के पोषक ग्राम नेवसा में खरमेर नदी में विद्युतीकरण कार्य का भूमिपूजन किया गया, वहीं ग्राम पंचायत भपसा में अमरपुर मुख्य मार्ग से भपसा मुकद्दमटोला तक डामरीकरण सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विधायक ने शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण अंचलों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने उन पात्र हितग्राहियों की समस्याएं भी सुनीं, जिन्हें किसी कारणवश योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाया था, तथा मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। इस अवसर पर बद्री प्रसाद साहू, अध्यक्ष अनिल साहू, रोहित मरकाम, अन्य जनप्रतिनिधि विकासखंड स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह ने क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों पर हर्ष व्यक्त करते हुए शासन के प्रति आभार प्रकट किया।

दो सांडों की लड़ाई में मोटर साइकिल हुई क्षतिग्रस्त

डिंडौरी। डिंडौरी में जिला अस्पताल के सामने रविवार की दोपहर दो सांड आपस में भिड़ गए। इस दौरान उनकी लड़ाई सड़क पर लगभग 15 मिनट तक चलती रही, जिससे अफरा-तफरी मच गई। लड़ते-लड़ते सांडों ने दो मोटरसाइकिलों को गिरा दिया। आसपास मौजूद लोग डरकर भागते हुए दिखाई दिए, जबकि दो युवकों ने डंडे की मदद से सांडों को अलग करने और भगाने का प्रयास किया। स्थानीय लोगों ने बताया कि आवारा मवेशी अक्सर सड़क पर बैठे रहते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। उन्होंने कहा कि कई बार लोग मवेशियों के कारण गिर भी जाते हैं। नगर परिषद की हाका गैंग पर निष्क्रियता का आरोप लगाया, जो केवल दिखावे के लिए कभी-कभी अभियान चलाता है। लोगो ने चिंता व्यक्त की कि दिन के समय तो स्थिति ठीक रहती है, लेकिन रात में खतरा बढ़ जाता है। लोगो का कहना है कि आज तो सांडों ने बाइकें गिरा दीं और कई लोग यहां से भागते दिखे। लोगो ने नगर परिषद पर किसी बड़े हादसे का इंतजार करने का आरोप लगाया। इस मामले में मुख्य नगर परिषद अधिकारी ने कहा कि टीम भेजकर आवारा मवेशियों को गौशाला भिजवाने की बात कहीं है।

पत्नी से मारपीट, इलाज के दौरान हुई मौत, पुलिस ने आरोपी पति को किया गिरफ्तार

डिंडौरी। बजाग थाना क्षेत्र अंतर्गत पत्नी के साथ की गई मारपीट के मामले में इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। पुलिस ने मामले में आरोपी पति को गिरफ्तार कर न्यायिक कार्यवाही शुरू कर दी है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम तातर निवासी 42 वर्षीय महिला के साथ उसके पति द्वारा 29 जनवरी 2026 की रात घरेलू विवाद के दौरान मारपीट की गई थी। मारपीट के दौरान महिला के सिर में गंभीर चोट आई, जिसके बाद वह गिर पड़ी और बेहोश हो गई। परिजनों द्वारा महिला को पहले बजाग अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल डिंडौरी रेफर किया गया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान 30 जनवरी 2026 की शाम लगभग 5 बजे महिला की मौत हो गई। डॉक्टरों द्वारा दी गई मेडिकल रिपोर्ट में मृत्यु का कारण सिर में गंभीर चोट, खोपड़ी में फ्रैक्चर एवं आंतरिक रक्तस्राव बताया गया है। घटना की सूचना पर थाना बजाग पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान गवाहों के कथन, मेडिकल रिपोर्ट एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपी पति मायाराम बालरे के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि मामले की विवेचना जारी है और अन्य पहलुओं की भी गहन जांच की जा रही है।

पीएम ऊषा परियोजना अंतर्गत सेडमेप के सौजन्य से कराया गया शैक्षणिक भ्रमण

डिंडौरी।

प्रधानमंत्री कालेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय चंद्र विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डिंडोरी मैं संचालित पीएम ऊषा परियोजना अंतर्गत सेड मैप के सौजन्य से विभिन्न शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया जा रहा है। 23 जनवरी, 2026 को महाविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग एवं भूगोल विभाग का भ्रमण कानन पिंडारी जिला बिलासपुर छत्तीसगढ़ मैं संपन्न हुआ। दोनों दलों को महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ संतोष धुर्वे ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर स्टाफ के सभी प्राध्यापक उपस्थित रहे। जिसमें दोनों विभागों के लगभग 50-50 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्राणी शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ पार्वती कुशराम के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने कानन पिंडारी के जू का अवलोकन किया जिसके अंतर्गत विभिन्न जानवरों जैविक प्रजातियां उनका वर्गीकरण, संरचनात्मक एवं शैक्षणिक अध्ययन विद्यार्थियों द्वारा किया गया। इस भ्रमण में डॉ पार्वती कुशराम, प्रोफेसर ब्रजेश सिंह, धारवेजी, एवं दुर्गा बर्मन स्टाफ से तथा पीजी एवं यूजी के लगभग पचास विद्यार्थियों ने भाग लिया। भूगोल विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ राशि गौतम के नेतृत्व में संपन्न शैक्षणिक भ्रमण में विद्यार्थियों को कानन पिंडारी चिड़ियाघर महामाया मंदिर अचानक अभ्यारण्य आदि विभिन्न स्थलों का भ्रमण कराया गया। इसी श्रृंखला में 5 फरवरी, 2026 को भौतिकशास्त्र विभाग से यूजी एवं पीजी के पैंतीस विद्यार्थियों का एक दल भोपाल रवाना किया गया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने मौलाना अब्दुल कलाम आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी का विस्तृत भ्रमण किया। सर्वप्रथम संस्था के भौतिक शास्त्र विभाग में स्थित प्रयोगशाला का 10-10 के ग्रुप में विद्यार्थियों ने विभिन्न उपकरणों की क्रियाविधि समझी। इसी श्रृंखला में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान मैं स्थापित सीआरएफ एवं सीसीएफ के विभिन्न संसाधनों का अवलोकन विद्यार्थियों ने किया। आईटी के अंतर्गत संपूर्ण संस्था परिसर में फैले नेटवर्क कनेक्टिविटी का प्रचालन एवं साधारण प्रक्रिया का टेक्निकल सहायकों द्वारा विस्तृत जानकारी विद्यार्थियों को दी गई। मैंनेट एक ट्रिपल आईटी की पालक संस्था होने के नाते विभिन्न इंजीनियरिंग ब्रांच के प्रयोगशालाओं, अनुसंधान शालाओं और रोबोटिक लैब से सुविधा संपन्न है। यहां आकर विद्यार्थियों को बहुत ही प्रेरक तकनीकी कौशल की जानकारी मिली। भौतिक शास्त्र विभाग द्वारा आयोजित इस भ्रमण में विद्यार्थियों ने मैनिट के अलावा क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र का भी भ्रमण किया जहां पर विद्यार्थियों ने भौतिकी के विभिन्न सिद्धांतों पर आधारित मनोरंजक एवं शिक्षाप्रद प्रयोगों का बारीकी से अवलोकन किया। थ्रीडी डेमोंस्ट्रेशन, तारामंडल वह प्रकाशिकी के विभिन्न उपकरणों का जादुई प्रयोग मुख्य आकर्षक बिंदु रहे। समाजशास्त्र विभाग द्वारा भी शैक्षणिक भ्रमण भोपाल के लिए रवाना किया गया। लगभग पैंतीस विद्यार्थियों के इस दल ने मैनिट कैंपस, ग्रीन वाटिका का मनोरंजन भ्रमण किया। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने इंदिरा गांधी मानव संग्रहालय एवं जनजातीय संग्रहालय का भ्रमण करते हुए विस्तृत अध्ययन सामग्री एकत्रित की। समाजशास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ श्रीमती संतोष धुर्वे की अगुवाई में शैक्षणिक और विभिन्न सामाजिक पहलुओं का अध्ययन किया। उक्त चारों शैक्षणिक भ्रमण में विद्यार्थियों ने न केवल उत्साह। पूर्वक अपने साथियों के साथ शैक्षणिक वातावरण में भ्रमण का आनंद लिया बल्कि भ्रमण स्थल में उपलब्ध सामग्रियों से बहुत ही प्रेरक ज्ञान अर्जन किया।

समनापुर तिराहा के पास से जब्त की गई अवैध शराब

डिंडौरी। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत समनापुर तिराहा के पास पुलिस ने अवैध शराब जब्त की है। पुलिस के अनुसार शुक्रवार को मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि समनापुर तिराहा के पास में एक व्यक्ति अवैध शराब बिक्री करने हेतु रखा है। सूचना पर मुखबिर के बताये स्थान पर पहुंचकर दबिश दी गई। जहां एक व्यक्ति मिला पूछताछ में उसने अपना नाम संजय पारासर पिता राधेश्याम पारासर उम्र 22 साल निवासी वार्ड क्रमांक 14 बंधान मोहल्ला डिंडौरी बताया। व्यक्ति के पास से 05 हंटर स्ट्रोंग केन बीयर व 07 पाव प्रिंस प्लेन कुल कीमती 1290 रूपये की जब्त की गई। आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34 ए के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

प्रधानमंत्री कालेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय चन्द्रविजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डिण्डौरी, म.प्र.

क्रमांक/2058/निविदा/2026 **ई-निविदा आमंत्रण सूचना** डिण्डौरी, दिनांक 07.02.2026

एम.पी.ई. टेण्डर पोर्टल पर पंजीकृत फर्म से ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट http://mptender.gov.in पर देखा व भरा जा सकता है। निविदा प्रकाशन उपरांत किसी भी प्रकार के संशोधन ऑनलाइन वेबसाइट http://mptender.gov.in पर ही उपलब्ध रहेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

क्र.	टेण्डर का नाम	टेण्डर आई.डी.	एमडी राशि एवं टेण्डर फीस	जारी दिनांक	अंतिम तिथि
1	सी.सी.टी.व्ही. कैमरा	2026_HED _480499_1	33270/- & 1000/-	06.02.2026	20.02.2026 सांय 5:00 बजे तक

प्राचार्य
शास.च.वि.स्नातको.महावि. डिण्डौरी

खबर संक्षेप

जिले में लगेंगे नसबंदी शिविर

नरसिंहपुर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि क्लिनिकल आउटरीच टीम-सीओटी के माध्यम से जिले में परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत नसबंदी शिविरों का आयोजन किया जाएगा। यह नसबंदी शिविर 20 फरवरी को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सालीचैका एवं 13 व 27 फरवरी को सिविल अस्पताल गाडरवारा में, 19 व 22 फरवरी को सिविल अस्पताल गाडरवारा में एवं 12, 17 व 26 फरवरी को सीएचसी सांईखेड़ा में, 21 फरवरी को जनवरी को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तेंदूखेड़ा में, 14 फरवरी को सिविल अस्पताल गाडरवारा में, 10 व 28 फरवरी को सीएचसी रौंसरा और 14, 21, 24 व 28 फरवरी को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गोटेगांव में लगाए जाएंगे।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए शिवानी का चयन

नरसिंहपुर। विज्ञान प्रदर्शनी हेतु राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए करेली की समीपी और विकासखंड चांवरपाठा की एकीकृत माध्यमिक शाला बांसखेड़ा की छात्रा कुमारी शिवानी रजक, कक्षा सातवीं के मॉडल जल संरक्षण एवं प्रबंधन के अंतर्गत जल शुद्धिकरण का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में नरसिंहपुर जिले से एकमात्र मॉडल के चयन पर बिटिया शिवानी ने ना केवल अपने परिवार व विद्यालय का बल्कि जिले का नाम भी रोशन किया। इस हेतु मेधावी बिटिया शिवानी रजक और मार्गदर्शी नवाचारी शिक्षक कमलेश श्रीवास्तव के अपने सहयोग तथा मार्गदर्शन के लिए अभिभावकों ने प्रोत्साहित करते हुए आभार व्यक्त किया है। ग्रामवासियों और एसएमसी सदस्यों ने उपलब्धि मानते हुए कहा है कि निश्चित ही भविष्य में अन्य बच्चों एवं शिक्षकों के लिए यह उपलब्धि प्रेरणास्पद रहेगी।

नहीं रहे मोहन रघुवंशी, अंत्येष्टि आज

नरसिंहपुर। गत दिवस विपतपुरा निवासी वयोवृद्ध मोहन सिंह रघुवंशी का 87 वर्ष की आयु में अस्वस्थता के चलते निधन हो गया। आप दीपक रघुवंशी, आलोक रघुवंशी के पिता थे। जिनका अंतिम संस्कार आज 9 फरवरी को नकटुआ मुक्तिधाम में किया जावेगा।

222 गांवों में 10 ग्राम सेवक

तेंदूखेड़ा। एक तरफ जहां शासन द्वारा किसानों की समस्यायों के निराकरण की दिशा में काफी संवेदनशील बनीं हुई है। वहीं तरह तरह की योजनाओं के माध्यम से किसानी को लाभ का धंधा बनाने की दिशा में प्रयास जारी है। लेकिन दूसरी तरफ चांवरपाठा विकास खंड के यह हालात बनें हुए हैं कि संपूर्ण विकास खंड के अंतर्गत आने वाले 222 गांवों के लिए जहां 18 ग्राम सेवकों की जरुरत है वहां मात्र 10 ही ग्राम सेवक है। इनमें से कुछ ग्राम सेवक रिटायर हो गये हैं।तो कुछ स्थानांतरण हो कर चले गए हैं। इनमें एक वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी और एक बाबू ही तैनात है। जबकि कार्यालय में भृत्य तक नहीं है। स्तिथि यह बनीं हुई है कि स्वयं बाबू को आकर झाड़ू लगाना पड़ता है। अब तो यह स्थिति बनी हुई है कि हाल ही में वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी की भी शासकीय सेवायें पूर्ण हो जाने के चलते अब यह पद भी रिक्त हो गया है।उनके बाद एक अधिकारी और कम हो गया है।ऐसी स्थिति में ग्राम सेवक प्रत्येक गांव में नहीं पहुंच पाते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों ने मांग की है कि शीघ्र ही उनके गांवों में ग्राम सेवकों की व्यवस्था की जाये।

तेंदूखेड़ा में नहीं है कृषि विभाग का कार्यालय – सबसे बड़ी विडम्बना यहां पर यह बनीं हुई है कि तहसील मुख्यालय पर कृषि विभाग का एक भी कार्यालय नहीं है। विकल्प के तौर पर यहां पर डेढ़ दशक पूर्व बना मिट्टी परीक्षण केंद्र के खाली पड़े भवन में ही किसान साप्ताहिक बाजार के दिन आकर स्थानीय कृषि अधिकारियों से मिलकर जानकारी लेकर चले जाते हैं।

प्रशासन अनदेखी पड़ सकती है भारी मेले के नाम पर चल रहे आपराधिक खेल

स्वदेशी मेले के नाम पर नियमों का उल्लंघन

जिला मुख्यालय पर स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय स्डेडियम ग्राउंड मे मेले का आयोजन किया गया है। मेले मे स्वदेशी के नाम पर कई प्रकार के खेल खिलाए जा रहे है। झूले, दुकाने आदि लगे हुए है जिसमें नियमों का खुला उल्लंघन किया जा रहा है और प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। प्रशासन को चाहिए की नियमों का उल्लंघन करने पर मेला समिति के विरुद्ध विधि संगत कार्रवाई की जावे।

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

जिला मुख्यालय के स्टेडियम ग्राउंड मे स्वादेशी उत्पादो को बढ़ावा देने के उद्देश्य मेले का आयोजन किया गया है। मेला आयोजन समीति द्वारा नियमों का खुला उल्लंघन किया गया जा रहा है। जबकि मेला लगने के पूर्व जागरूक नागरिकों, कांग्रेस पदाधिकारियों, खिलाड़ियों, वरिष्ठ नागरिकों द्वारा ज्ञापन सौंप कर मांग की गई थी कि मेले का आयोजन स्टेडियम ग्राउंड पर ना कराया जाए जिसपर प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नही की गई और मेला नियत स्थान व तिथि से प्रारंभ हो गया। मेले मे अनेकों प्रकार की अव्यवस्थाएं भी उसके बाद भी प्रशासन मूक दशक बना हुआ है। अब देखना होगा कि मेले का असर बोर्ड परीक्षा के परिणामों पर क्या होगा।

नियमो का खुला उल्लंघन

प्रशासन द्वारा कक्षा बारहवी व दसवी की मुख्य परीक्षा को ध्यान मे रखते हुए ध्वनि प्रदूषण पर प्रतिबंध लगाया गया है। जिसमें तर्क दिया गया है कि छात्र- छात्राओं को परीक्षा की तैयारी मे परेशानी ना हो परन्तु मेला लगने से ध्वनि प्रदूषण भी हो रहा है एंव मेले मे लगे आकर्षक झूलों के कारण छात्र- छात्राओं का मन पढ़ाई से ज्यादा झूलों की ओर है। उक्त दस दिवसीय मेले के आयोजन से कोई बुराई नही है परन्तु नियमों की अनदेखी होना चिंता का विषय है। आयोजन समिति द्वारा वाहन स्टैंड वसूला जा रहा है वसूली करने वाले कर्मचारियों को वाहन स्टैंड कितना लेना है नियम क्या है और क्या सेवाएं वाहन मालिक को देना है कुछ पता नहीं है। ऐसे मे प्रशासन को चाहिए की ठोस कार्रवाई कर

खिलाए जा रहे आपराधिक खेल

स्वदेशी के मेले के नाम पर मेला समिति द्वारा मनोरंजन के लिए झूलों व खेलों का आयोजन किया जा रहा है। मेले में खिलाए जा रहे खेलों मे पासा फसाना, गुब्बारे पर गोली चलाना, गिलास गिराना, गेंद डाला, बिस्किट एक मिनिट मे खाना ऐ अन्य खेल है जिन पर इनाम के रूप में नकद व सामग्री दी जा रही है ज्ञात हो कि वह खेल जिसमें तुरंत इनाम दिया जाता है या हारने व जीतने पर रिस्क हो वह खेल जुंआ की श्रेणी अर्थात आपराधिक खेल माना जाता है। अब लोगों का कहना है प्रशासन की नाक के नीचे आयोजन समीति जुआं रूपी खेला करा रही है। हालाकि विचारणीय यह भी है कि जिला अस्पताल के ठीक पीछे बने मैदान मे उक्त आयोजन किया गया है अस्पताल मे भर्ती मरीजों को भी उक्त मेले के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

क्या छाप छोड़ेगा मेला अच्छी या बुरी...

जिला मुख्यालय पर लगाए गए स्वदेशी मेला समिति को स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग हेतु प्रेरित करने के लिए मेला लगाया गया है परन्तु मेला की तिथि ऐसी निर्धारित की गई जो जिले के भविष्य की नींव को प्रभावित कर रही है। लोगों की माने तो उनका कहना है कि मेले के आयोजन में कोई बुराई नही है। आयोजन समिति को केवल समय व स्थान का विशेष ध्यान रखना चाहिए था क्योंकि दसवी व बारहवीं की परीक्षा प्रारंभ हो रही है। मेले मे आई लुभाने वाली खाने पीने की समाग्री, झूले गेम आदि बच्चों को प्रभावित कर रहे है जिससे पढ़ाई पर असर पड़ रहा है। अब विचारणीय यह है कि मेला जिले मे क्या छाप छोड़ेगा अच्छी या बुरी यह देखने योग्य है। वही लोगों का मत यह भी प्राप्त हुआ है कि उक्त मेले को बरमान मेले मे शामिल किया जाता तो इसका प्रभाव पूरे प्रदेश मे भी हो सकता था। अब देखना होगा कि प्रशासन क्या कदम उठाता है।

इनका कहना है

उक्त मेले के आयोजन से जनसामान्य सहित खिलाड़ियों, बरिष्ठ नागरिकों अन्य को परेशानी उत्पन्न हुई तथा स्वदेशी मेले के नाम पर नियामों का खुला उल्लंघन किया जा रहा है। उक्त मेले का आयोजन बरमान मेले में किया जाना उचित था जिससे पूरे प्रदेश मे उत्पादों को पहचान मिल सकती थी।

अजय दुबे, कांग्रेस नेता

प्रशासन के सामने ही उनके आदेशों का उल्लंघन किया जा रहा है। दसवी व बारहवी की परीक्षाएं प्रारंभ हो रही है मेले का असर परीक्षा परिणाम पर भी हो सकता है जिला चिकित्सालय के ठीक पीछे मेला लगा दिया। प्रशासन के कई नियमों को दरकिनार किया जा रहा है।

ईशान राय, अध्यक्ष एनएसयूआई

उत्कृष्ट विद्यालय चयन परीक्षा सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज – नरसिंहपुर। गत दिवस जिला स्तरीय उत्कृष्ट विद्यालय चयन प्रवेश परीक्षा वर्ष 2026 का आयोजन विविध परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई। इसी क्रम में परीक्षा केंद्र क्रमांक 7301 शासकीय पीएम श्री महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पंजीकृत 500 परीक्षार्थियों मे 487 परीक्षार्थी उपस्थित रहे एवं 13 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा केंद्राध्यक्ष श्रीमती आशा नेमा द्वारा बताया गया कि निर्देशानुसार परीक्षा का आयोजन समस्त स्टाफ के सहयोग से सम्पन्न हुई।

रासेयो शिविर में विविध गतिविधियों का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

स्थानीय प्रधानमंत्री कालेज ऑफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय प्रभारी प्राचार्य डॉ. आलोक तिवारी के निर्देशन में राष्ट्रीय सेवा योजना छात्र इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन ग्राम पंचायत कठौतिया में किया जा रहा है। जिसमें शिविर के दूसरे दिन मुख्य अतिथि सुनील पटेल पूर्व सरपंच एवं वर्तमान विधायक प्रतिनिधि, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अमित ताम्रकार, अध्यक्ष साहिल लोधी, उपाध्यक्ष राजाराम जाटव के मार्गदर्शन में दलनायक दिनेश अग्रवाल, सहदलनायक विवेक साहू के नेतृत्व में शिविर के उद्घाटन सत्र का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि ने अपने वक्तव्य में बताया कि वह भी रासेयो के स्वयंसेवक रहे हैं और वहीं से प्रेरणा लेकर उन्होंने समाज सेवा के मार्ग का चयन किया। उन्होंने विद्यार्थियों को समाज एवं

राष्ट्र सेवा हेतु प्रेरित किया। सरपंच एवं विधायक प्रतिनिधि के पद पर रहते हुए कठौतिया ग्राम में विकास कार्य एवं जन सेवा हेतु किए गए विभिन्न कार्यों के बारे में भी बताया। जिससे स्वयंसेवक भी प्रोत्साहित हुए। शिविर में प्रतिदिन समाज एवं राष्ट्र के समक्ष उपस्थित विभिन्न सामाजिक-आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं पर्यावरणीय मुद्दों से निपटने हेतु जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत आज के बौद्धिक सत्र में महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक-आर्थिक असमानता, डिजिटल सुरक्षा, शिक्षा, नशामुक्ति एवं युवा शक्ति पर स्वयंसेवकों ने अपने विचार प्रकट किये। स्वयंसेवकों द्वारा गांव में रैली एवं जनसंपर्क के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। शिविर में योग-व्यायाम, प्रभात फेरी, परियोजना कार्य, बौद्धिक सत्र, खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के सत्र प्रतिदिन आयोजित किए जा रहे हैं। बौद्धिक सत्र में विशेषज्ञों द्वारा पधार कर मार्गदर्शन दिया जा रहा है। इस अवसर पर स्वयंसेवकों में मीडिया प्रभारी मोतीलाल कतिया, कोर सदस्य शरद साहू, बृजेश चैधरी, ऋतिक कुशवाहा सहित सभी स्वयंसेवकों द्वारा सक्रिय भूमिका का निर्वहन किया जा रहा है।

कालोनाइजरों की मनमानियों पर नहीं लग पा रहा विराम परेशान हो रहे रहवासी

तेंदूखेड़ा

तेंदूखेड़ा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सर्वसुविधायुक्त कालौनी बनाने का झांसा देकर आवासीय भूखण्ड विक्रय किए गए और जरुरत मंदों द्वारा अपने अपने आलीशान मकान भी बना लिए लेकिन इन रहवासियों को आज तक ना तो पीने का पानी सड़क बिजली और निस्तार के पानी निकासी की कोई उचित व्यवस्था ना बन पाने के कारण कालौनी वासी अपने आप को ठगा सा महसूस करने और परेशान देखे जाते हैं।ऐसे मामलें आये दिन सामने आते रहते हैं।जब परेशान उपभोक्ता अपनी परेशानियों को लेकर अधिकारियों के चक्कर लगाते हुए देखे सुने जाते हैं।ऐसा ही एक मामला नगर के वार्ड क्रमांक 06 के अंतर्गत शारदा नगर के नाम से पूर्व में काटी गई कालौनी में देखने को मिला।

जहां आज तक कालोनाइजर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं करा पाये जिसे लेकर बड़ी संख्या में पीड़ित वर्ग ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व से लेकर कलेक्टर तक अपनी समस्याओं को उजागर करते हुए लिखित शिकायतें भी दर्ज कराई गई है। पीड़ित वर्ग ने हमारे प्रतिनिधि को बताया कि बरसात के दिनों में उन्हें आने जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कीचड़ ही कीचड़ बनीं रहती है। निस्तार का गंदे पानी के जहां तहां डबरा भरे होने के कारण गंदगी पूर्ण माहौल और मच्छरों को पनपने से विभिन्न प्रकार की संक्रामक बीमारियों को अपने पैर पसारने का खतरा बना रहता है। यहां पर पीने के पानी की भी कोई उचित व्यवस्था नहीं की गई है। रहवासियों ने अपने अपने स्तर से हेंडपंप तो खनन करवा लिये है यहां पर जमीनी जल स्तर पर्याप्त ना होने के कारण गर्मी के दिनों में परेशानी हुआ करती है। यहां तक कि इस कालौनी का नक्शा पास ना होने से एन ओ सी पाने के लिए लोग भटक रहे हैं रहवासी शिकायतकर्ताओं ने प्रशासनिक अधिकारियों से मांग की है कि शीघ्र ही इस दिशा में निष्पक्ष जांच कराते हुए उचित एवं दंडात्मक कार्यवाही की जाये।

खुले में पड़ी धान, शासन हुआ अंधा और बधिर

गोटेगांव

नगर के आसपास स्थित बेयर हाउस में सैकड़ो कुंटल धान आज भी खुले में पड़ी हुई है सभी वेयरहाउस फूल हो चुकी है साथ ही धान बेचने वाले वाले किसानों का भुगतान अभी तक नहीं हुआ है खुले में पड़ी हुई धान नुकसान का आमंत्रण दे रही है जिससे खरीदी केंद्र फूल हो गए हैं और बेयर हाउस के बाहर सैकड़ो कुंटल धान खराब होने के चक्कर में पड़ी हुई है शासन अंधमुख और बदर बना हुआ है गोटेगांव नगर में स्थित कई वेयर हाउस ऐसे पाए गए हैं जिनकी बाहर सैकड़ो क्विंटल किसने की धान

पड़ी हुई है शासन इन किसानों की उपज की भंडारण की व्यवस्था अभी तक नहीं कर पाई है जिससे धान को नुकसान होने से कोई नहीं बचा सकता है आखिर आखिर जब व्यवस्था नहीं है तब शासन ने इतनी अधिक मात्रा में धान क्यों खरीदी यह गोटेगांव शहर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के किसानों में जन चर्चा का विषय बना हुआ है।

सड़कों पर बैंकों की पार्किंग, राहगीरों की जान जोखिम में

गोटेगांव।

नगर के हृदय स्थल में स्थित बैंकों के सामने व्यवस्थित पार्किंग न होने के कारण यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। विशेष रूप से स्टेट बैंक और यूनियन बैंक के सामने सड़क पर बेतरतीब खड़ी गाड़ियाँ सुचारू आवागमन में बड़ी बाधा बन रही हैं। बैंक आने वाले ग्राहकों के वाहन मुख्य मार्ग के एक बड़े हिस्से को घेर लेते हैं, जिससे हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है। इस अव्यवस्था के कारण प्रतिदिन राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और आए दिन छोटी-मोटी दुर्घटनाएं भी हो रही हैं। नगर के अन्य बैंकों के सामने भी कमोवेश यही स्थिति बनी हुई है, जिसे लेकर स्थानीय नागरिकों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। लोगों का कहना है कि बैंकों के पास अपना पर्याप्त पार्किंग स्थल नहीं है, जिसके चलते सारा दबाव सार्वजनिक सडक पर आ जाता है। नागरिकों ने नगर प्रशासन और संबंधित बैंक प्रबंधन से मांग की है कि शीघ्र ही पार्किंग की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सुव्यवस्थित पार्किंग होने से न केवल यातायात सुगम होगा, बल्कि संभावित सड़क हादसों पर भी लगाम लग सकेगी।

8 से 10 फरवरी तक भव्य श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन

गोटेगांव। नगर के कामथ वार्ड में स्थित साहू मोहल्ला स्टेडियम के स्थित आगामी दिनांक 8 से 16 फरवरी तक श्री शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है, 9 दिवसीय इस धार्मिक अनुष्ठान में सुप्रसिद्ध कथा वाचक आचार्य प्रसूनजी प्रतिदिन दोपहर 3:00 बजे से भगवान शिव की महिमा भक्ति और जीवन दर्शन पर दिव्या प्रवचन देकर श्रद्धालुओं को महापुराण के माध्यम से देंगे आयोजन को लेकर समूचे नगर में भारी उत्साह व्याप्त है और आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई है आयोजन समिति ने समस्त धर्म प्रेमी जनता से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर आध्यात्मिक लाभ उठाने की अपील की है कथा का समापन 16 फरवरी को विशेष अनुष्ठान एवं महा भंडारा प्रसादी वितरण के साथ किया जावेगा समस्त श्रद्धालु बंधु पहुंचकर शिव महापुराण सुनकर धर्म लाभ उठावे

सनातन संस्कृति के संरक्षण और सामाजिक समरसता का महासंगम - विराट हिन्दू सम्मलेन संपन्न

गोटेगांव

समीप करकबेल क्षेत्र में इन दिनों सनातन संस्कृति की रक्षा और सामाजिक एकजुटता का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। इसी कड़ी में ग्राम बरहटा और करकबेल में भव्य विराट हिंदू सम्मेलनों का आयोजन किया गया, जहाँ संतों के आशीर्वचन और प्रबुद्ध वक्ताओं के मार्गदर्शन ने समाज में नई ऊर्जा का संचार किया। इन आयोजनों के माध्यम से ऊंच-नीच के भेदभाव को मिटाकर एक सशक्त और संगठित राष्ट्र निर्माण का संकल्प लिया गया।*बरहटा में भव्य शोभायात्रा और संत समागम बरहटा स्थित सेवा सहकारी समिति वेयरहाउस में आयोजित सम्मेलन का शुभारंभ मुड़िया मोहल्ला के पंचमुखी हनुमान मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ के साथ हुआ। इसके पश्चात ढोल-धमाकों और डीजे की गूंज के साथ विशाल शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें ग्रामीण जनों का उत्साह चरम पर था। कार्यक्रम में पधारे पूज्य संतों

ने अपने आशीर्वचनों में कहा कि सनातन संस्कृति विश्व के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करती है। यहाँ बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया और सामूहिक आरती के पश्चात समरसता भोज (भंडारा) में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की*करकबेल में गूंजा पंच परिवर्तन और समरसता का मंत्र*सरस्वती शिशु मंदिर प्रांगण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ शिक्षाविद मुन्नालाल जैन ने स्पष्ट किया कि भारत का मूल स्वर सामाजिक समरसता है और यहाँ जातिगत भेदभाव के लिए कोई स्थान नहीं है। मुख्य वक्ता कमलेश शर्मा ने समाज परिवर्तन के पांच आयाम—स्व का बोध, नागरिक कर्तव्य, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता और कुटुंब प्रबोधन पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्वदेशी को अपनाना और परिवारों में संस्कारों को जीवित रखना ही आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।*संगठित हिंदू समाज ही समर्थ भारत की नींव*दोनों ही कार्यक्रमों में वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि जब समाज संगठित होगा, तभी देश की चुनौतियों का सामना किया जा सकेगा। अनुरा भार्गव ने भारतीय भाषा और वेशभूषा पर गर्व करने की सीख दी। इन सम्मेलनों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति और युवाओं की उपस्थिति रही। आयोजनों का समापन भारत माता की आरती और सामूहिक भोज के साथ हुआ, जिसमें सभी वर्गों के लोगों ने एक साथ बैठकर समरसता का संदेश दिया।